www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

1936
सत्य · सार्थक · सदैव

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

मंगलवार
14 जुलाई 2026, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, अमावस्या, विक्रम सम्वत् 2083, लखनऊ

नगर संस्करण, वर्ष 31, अंक 190, 18 पेज, मूल्य ₹ 7.00 • पांच प्रदेश • 23 संस्करण

इंग्लैंड में टीम इंडिया के सामने वनडे में वापसी की चुनौती
P-16

केजीएमयू में रक्षामंत्री एवं राज्यपाल ने मेधावियों को मेडल के साथ नकद और किताबें पुरस्कार में देकर सम्मानित किया, छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिले

दीक्षांत में मेडिकोज की मेधा को सम्मान

आयोजन

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर सोमवार को खुशियों, उल्लास और उपलब्धियों का साक्षी बना। केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह में जैसे ही मेधावी छात्र-छात्राओं के गले में मेडल सजे, पूरे सभागार में तालियों की गूंज और चेहरों पर मुस्कान बिखर गई। किसी छात्र के गले में 19 मेडल चमक रहे थे तो किसी ने सात मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कई मेधावियों को मेडल के साथ नकद पुरस्कार और बुक प्राइज भी मिला।

मंच से उतरते ही छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे। किसी ने अपने माता-पिता को गले लगाकर उपलब्धि साझा की तो किसी ने शिक्षकों से आशीर्वाद लिया। परिवार के सदस्य अपने बच्चों की सफलता पर गर्व से भर उठे। पूरे परिसर में बधाइयों का सिलसिला चलता रहा। दोस्त एक-दूसरे को गले लगाकर फोटो खिंचवाते रहे और मोबाइल कैमरों में यादगार पल कैद करते रहे।

मंच पर 20 मेधावियों को 54 मेडल वितरित किए गए। 1701 मेडिकल छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। एमबीबीएस, बीडीएस, एमडी, एमएस, डीएम, एमसीएच, नर्सिंग और पैरामेडिकल के विद्यार्थियों के लिए यह पल जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बन गया।

दीप्ति का नाम गूंजते ही खड़ा हो गया पूरा सभागार: जैसे ही मंच से दीप्ति शर्मा का नाम पुकारा गया, पूरा सभागार उनकी ओर देखने लगा। अगले ही पल एक-एक कर उनके नाम के साथ मेडलों की घोषणा शुरू हुई। प्रतिष्ठित हीवेट मेडल, चांसलर मेडल, यूनिवर्सिटी मेडल सहित कुल 19 मेडल जीतने की घोषणा होते ही सभागार तालियों से गूंज उठा। परंपरा के अनुसार हीवेट विजेता के सम्मान में अतिथियों से लेकर दर्शक दीर्घा में बैठे छात्र, शिक्षक और अभिभावक अपनी-अपनी सीटों से खड़े हो गए। सभी ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में सोमवार को केजीएमयू के दीक्षांत में मेधावियों को सम्मानित किया गया।

समारोह एक नजर में

515 डिग्रियां

278 छात्र 237 छात्राएं

1701 मेडिकल छात्र-छात्राओं को मिली डिग्री

54 मेडल 11 छात्र

20 मेधावी 09 छात्राएं

कुल संस्थान : 18

11 संबद्ध मेडिकल कॉलेज
07 नर्सिंग कॉलेज
1186 विद्यार्थियों को उपलब्धियां

975 कुल छात्र | 726 कुल छात्राएं

दिल व फेफड़े का प्रत्यारोपण होगा

कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि संस्थान में चिकित्सा, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में तेजी से विस्तार किया गया है। 60 पीजी सीटें बढ़ाई गई हैं। दिल व फेफड़ा ट्रांसप्लांट की तैयारी है। अटल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अमित देवगन, सैफई यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अजय सिंह, रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत, रायबरेली एम्स की निदेशक डॉ. अमिता जैन, कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट समेत अन्य मौजूद रहे।

मेस में एक्सपायरी मसाले पर राज्यपाल चिंतित

लखनऊ। केजीएमयू के हॉस्टल में एक्सपायरी डेट का सब्जी मसाला। यह मसाला एक नहीं बल्कि दो हॉस्टल में मिला है। छात्र-छात्राओं के मेस में एक्सपायरी डेट का मसाला मिलना ठीक नहीं है। लिहाजा मेस की व्यवस्था ठीक की जाए। व्यवस्था की निगरानी बढ़ाई जाए। यह चिंता राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने जाहिर की। राज्यपाल ने समारोह में कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज से उनके नाम के आगे डॉक्टर शब्द जुड़ रहा है, जिसके साथ समाज का विश्वास जुड़ता है।

दवा से जख्म भरते, अपनापन दिल को सुकून देता: राजनाथ

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। दवा से जख्म भरते हैं। अपनापन दिल को सुकून देता है। लिहाजा डॉक्टर संवेदनशील बनें। डॉक्टर की पहचान केवल उसके ज्ञान से नहीं, बल्कि व्यवहार और मानवीय दृष्टिकोण से होती है। मरीज डॉक्टर के ज्ञान पर भरोसा करता है। उसके स्नेह, आत्मीयता और अपनापन को जीवनभर याद रखता है। लिहाजा दवा के साथ व्यवहार में भी हीलिंग टच होना चाहिए। कई मरीज डॉक्टरों को सफेद कोट में देखकर घबरा जाते हैं। जिसे व्हाइट कोट सिंड्रोम कहा जाता है। इस सोच को बदलने की जरूरत है। यह बातें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहींद

वह सोमवार को केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। अटल बिहारी वाजपेई सांइटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजन हुआ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डॉक्टर सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ें। संपन्न लोगों के पास इलाज के कई विकल्प होते हैं, लेकिन गरीब और कमजोर वर्ग डॉक्टरों पर ही निर्भर रहते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि केजीएमयू ने दुनिया को काबिल डॉक्टर दिए हैं। उन्होंने डॉ. अवतार सिंह पेंटल, डॉ. सुनील प्रधान, डॉ. बलराम भार्गव, डॉ. प्रियदर्शी रंजन और डॉ. नरेश त्रेहान सहित कई डॉक्टरों की सराहना की।

ब्रह्मोस मिसाइल से नई पहचान: डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि यूपी की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। लखनऊ में मिसाइल तैयार की जा रही हैं। अत्याधुनिक ब्रह्मोस मिसाइल का निशाना अचूक है।

फहराया परचम

मां के साथ मंच पर दीप्ति

केजीएमयू के इतिहास में हीवेट, चांसलर व यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित पदक हासिल करने वाली दीप्ति सातवीं छात्रा है। वह अपनी मां सुषमा शर्मा के साथ मंच पर पदक लेने पहुंचीं। दीप्ति के पिता अनुज कुमार शर्मा भारतीय वायुसेना से रिटायर हैं। मां गृहणी हैं। उनकी बड़ी बहन रुचिका हरियाणा में सरकारी पशु चिकित्सक हैं।

दीप्ति ने बताया कि पढ़ाई मेरा शौक और जुनून है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में भी मैंने टॉप किया था। सफलता के लिए उन्होंने नियमित पढ़ाई का शेड्यूल बनाया। लगातार रिवीजन

पर जोर दिया। यही रणनीति उनकी सफलता का आधार बनी। अब दीप्ति आगे पीजी की पढ़ाई करने की तैयारी में जुटी है। उनका लक्ष्य चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर योगदान देना है।

डॉ. आरके गर्ग को लाइफटाइम अचीवमेंट

केजीएमयू के न्यूरोलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरके गर्ग को रक्षामंत्री व राज्यपाल ने लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वह एरा मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर हैं। डॉ. गर्ग दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में भी शामिल हैं। सम्मान मिलने पर उन्होंने कहा कि जिस संस्थान में उन्होंने अपना पूरा सेवाकाल बिताया, उसी संस्थान से सेवानिवृत्ति के बाद सम्मान मिलना उनके लिए गर्व और भावुक कर देने वाला क्षण है। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय अपने सहयोगियों, विद्यार्थियों और मरीजों के विश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर सबसे बड़ा काम समाजसेवा है। लोगों की सेवा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण और संतोषजनक कुछ नहीं होता है।

कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित) › मंगलवार, 14 जुलाई 2026 › आषाढ़ 23 शक संवत 1948 आषाढ़ कृष्ण अमावस्या, विक्रम संवत 2083 WATCH GOD WATCHDOG पेज 12› मूल्य सिर्फ ₹6.00 facebook.com/nbtlucknow›twitter.com/nbtlucknow Vol.8 no.190

होर्मुज़ में सुरक्षा देंगे, 20% टैक्स लेंगे: ट्रंप

›p12

NBT नवभारत टाइम्स

‘रो-को’ और बुमरा टीम में लौटे, टर्न लेगी किस्मत!

›p11

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

Photos : Sandeep Rastogi

भगवान ने रचा जीवन, रक्षा का ज़िम्मा डॉक्टरों को दिया: राजनाथ

■ NBT न्यूज, लखनऊ : भगवान ने जीवन की रचना की है और उसकी रक्षा का दायित्व डॉक्टरों को सौंपा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह में कहा कि डॉक्टर केवल रोगों का इलाज नहीं करते, बल्कि मानव जीवन की रक्षा का बड़ा दायित्व भी निभाते हैं। इसलिए उनमें ज्ञान के साथ संवेदनशीलता, करुणा और सेवा भाव भी आवश्यक है। रक्षामंत्री ने कहा कि डॉक्टर की पहचान केवल उसकी चिकित्सा दक्षता से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और मानवीय दृष्टिकोण से होती है। मरीज डॉक्टर के ज्ञान पर भरोसा करता है, लेकिन उसका स्नेह, अपनापन और संवेदनशील व्यवहार जीवनभर याद रखता है। दवा के साथ डॉक्टर के व्यवहार में भी 'हीलिंग टच' होना चाहिए। कई मरीज डॉक्टरों को सफेद कोट में देखकर घबरा जाते हैं, जिसे 'व्हाइट कोट सिंड्रोम' कहा जाता है। इस धारणा को बदलने की जरूरत है।

‘समान भाव से सभी का उपचार करें डॉक्टर’

रक्षामंत्री ने कहा कि सेवा ही डॉक्टर का सबसे बड़ा धर्म है। संपन्न लोगों के पास इलाज के कई विकल्प होते हैं, लेकिन गरीब और जरूरतमंद पूरी तरह डॉक्टरों पर निर्भर रहते हैं। इसलिए सभी मरीजों का समान भाव से उपचार करना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने सलाह दी कि डॉक्टर धैर्यपूर्वक मरीज की पूरी बात सुनें, क्योंकि कई बार सही निदान मरीज की बातों में ही छिपा होता है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना और जन औषधि केंद्रों ने गरीबों को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रेस्ट कैंसर के लिए नैनो ड्रग, जीन थेरेपी और कार-टी सेल थेरेपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर देश में तेजी से काम हो रहा है।

‘AI कभी मन की पीड़ा नहीं समझ सकता’

राजनाथ ने कहा कि यदि किसी का जीवन बचाने का संकल्प हो तो संसाधनों की कमी भी बाधा नहीं बनती। उन्होंने पश्चिम बंगाल के करीमुल हक का उदाहरण देते हुए कहा कि सेवा का भाव ही व्यक्ति को असाधारण बनाता है। उन्होंने केजीएमयू की सराहना करते हुए कहा कि यहां से निकले कई चिकित्सक अपने आप में संस्थान बन चुके हैं और देश-दुनिया में चिकित्सा, शोध व शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। युवा डॉक्टरों से उन्होंने नई तकनीकों को अपनाने, जीवनभर सीखते रहने तथा योग और ध्यान को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगी है, लेकिन यह मरीज के मन की पीड़ा और भावनाओं को नहीं समझ सकती। यही संवेदनशीलता डॉक्टर को सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाती है।

KGMU के 22वें दीक्षांत समारोह में 20 स्टूडेंट्स को अलग-अलग श्रेणी में पदक दिए गए, डॉ. दीप्ति शर्मा को मिले 16 मेडल

'रिवीजन ही बेहतर प्रदर्शन की कुंजी'

हीवेट व चांसलर अवॉर्ड सहित 16 मेडल जीतने वाली डॉ. दीप्ति शर्मा ने कहा कि परीक्षा के समय नई चीजें पढ़ने के बजाय नियमित रिवीजन अधिक लाभदायक होता है। बार-बार दोहराव से आत्मविश्वास बढ़ता है, विषय याद रहता है और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन होता है।

दो हॉस्टलों में मिला एक्सपायरी डेट का मसाला : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने डॉक्टरों से करुणा, संवेदनशीलता और ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में डॉक्टरों की अहम भूमिका है। राज्यपाल ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि 18 हॉस्टलों में 500 से अधिक छात्र-छात्राएं रह रहे हैं। सभी हॉस्टलों में वॉशिंग मशीन उपलब्ध कराने, मेस में भोजन की गुणवत्ता सुधारने और बेहतर गुणवत्ता का पनीर परोसने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दो हॉस्टलों में एक्सपायरी डेट का मसाला मिलने और उससे सब्जी बनाए जाने का मामला सामने आया, जिसे उन्होंने गंभीर बताते हुए तत्काल जांच और सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि तीन हॉस्टलों में नॉनवेज भोजन बनाया जा रहा है।

‘सबसे जरूरी है कि पहले मरीज को इलाज मिले’

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण प्रदेश की पहचान मजबूत हुई है। केजीएमयू आज देश के शीर्ष चिकित्सा संस्थानों में शामिल है। उन्होंने कहा कि मरीज के अस्पताल पहुंचने के शुरुआती दो से पांच मिनट सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। पहले ये जरूरी है कि मरीज को तुरंत इलाज मिअन्य औपचारिकताएं बाद में पूरी करवाई जाएं।

गिनाईं 3 वर्षों की उपलब्धियां

केजीएमयू की वीसी प्रो. सोनिया नित्यानंद ने बताया कि तीन वर्षों में गाइनी ऑन्कोलजी व पेन सेवाएं शुरू हुईं, 60 पीजी सीटें बढ़ीं, 332 नॉन-टीचिंग पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। 80 संकाय सदस्यों और 10 वर्षों से लंबित कर्मचारियों की पदोन्नति हुई। ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे मुफ्त इलाज, 10 आईसीयू व 20 कैजुअल्टी बेड बढ़े। 25 एचआरएफ काउंटरों पर 70% तक रियायती दवाएं मिल रही हैं। नया ऑर्थोपेडिक सेंटर, कार्डियोलजी भवन में 96 बेड जुड़े, 500 बेड का दूसरा ट्रॉमा भवन, नया सर्जिकल व प्रशासनिक भवन तथा महिला स्वास्थ्य के लिए एपेक्स सेंटर बनाया जा रहा है।

सेवा को मिला सम्मान

डॉ. आरके गर्ग को दिया गया लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

केजीएमयू के न्यूरॉलजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरके गर्ग को समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वह एरा मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर हैं और दुनिया के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान मिलना बेहद गर्व का क्षण है।

प्रो. ऋषि सेठी उत्कृष्ट संकाय स्वर्ण पदक से सम्मानित

केजीएमयू के कार्डियोलजी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ऋषि सेठी को चिकित्सा शिक्षा, शोध, नवाचार और संस्थागत विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए 22वें दीक्षांत समारोह में 'गोल्ड मेडल फॉर आउटस्टैंडिंग फैकल्टी' से सम्मानित किया गया। प्रो. सेठी डीन (इनोवेशन) और एसआईबी-शाइन के कार्यकारी निदेशक हैं।

मेहनत के दम पर हासिल की सफलता

निरंतर पढ़ाई करके बनी घर की पहली डॉक्टर

आरएमएल मेहरोत्रा मेमोरियल गोल्ड मेडल विजेता निधि सिंह ने कहा कि सफलता का मूलमंत्र निरंतर पढ़ाई है। उन्होंने दूसरे प्रयास में नीट पास किया। निजी नौकरी करने वाले माता-पिता का डॉक्टर बनाने का सपना उन्होंने पूरा किया और परिवार की पहली डॉक्टर बनने का गौरव हासिल किया।

'दोस्तों संग समय बिताने से घटता है तनाव'

तीन गोल्ड सहित पांच मेडल जीतने वाले अनिकेत चंद्र सक्सेना ने कहा कि पढ़ाई के साथ मानसिक संतुलन भी जरूरी है। परीक्षा के तनाव के दौरान दोस्तों से बातचीत और थोड़ा समय साथ बिताने से सिरदर्द व दबाव कम होता है, जिससे पढ़ाई पर बेहतर ध्यान लगाया जा सकता है।

'जीवनसाथी सहयोगी तो आसान होती है सफलता'

जितेंद्र यादव ने कहा कि शादी पढ़ाई या करियर में बाधा नहीं बनती। यदि जीवनसाथी सहयोगी हो तो सफलता की राह और आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि एमसीएच (यूरोलजी) में चयन सहित उनकी प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियां शादी के बाद ही हासिल हुईं।

'योग और संवाद से कम करें मानसिक दबाव'

13 मेडल जीतने वाली अभिलाषा घोष ने कहा कि परीक्षा के समय मानसिक दबाव स्वाभाविक है। इसे कम करने के लिए नियमित योग और व्यायाम करें। उन्होंने एमबीबीएस छात्रों को मरीजों से अधिक संवाद करने की सलाह दी, जिससे व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

'प्रैक्टिस, टाइम मैनेजमेंट सबसे बड़ी ताकत'

प्रीति सिन्हा ने कहा कि सफलता के लिए रटने के बजाय विषय की गहरी समझ विकसित करनी चाहिए। मजबूत कॉन्सेप्ट, नियमित रिवीजन, समय का सही प्रबंधन और लगातार अभ्यास परीक्षा में अच्छे अंक और बेहतर प्रदर्शन की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है।